

# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

## उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

### रुडकी

खण्ड-16] रुडकी, शनिवार, दिनांक 17 जनवरी, 2015 ई० (पौष 27, 1936 शक सम्वत्) [संख्या-03

#### विषय-सूची

प्रत्येक भाग के पृष्ठ अलग-अलग दिये गए हैं, जिससे उनके अलग-अलग खण्ड बन सकें

विषय	पृष्ठ संख्या	वार्षिक चन्दा
रुडकी, शनिवार, दिनांक 17 जनवरी, 2015 ई० (पौष 27, 1936 शक सम्वत्)	रु०	3075
सम्पूर्ण गजट का मूल्य	—	—
भाग 1—विज्ञप्ति—अवकाश, नियुक्ति, स्थान-नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस	43-45	1500
भाग 1—क—नियम, कार्य-विधियाँ, आज्ञाएँ, विज्ञप्तियाँ इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया	19-31	1500
भाग 2—आज्ञाएँ, विज्ञप्तियाँ, नियम और नियम विधान, जिनको केन्द्रीय सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों ने जारी किया, हाई कोर्ट की विज्ञप्तियाँ, भारत सरकार के गजट और दूसरे राज्यों के गजटों के उद्धरण	—	975
भाग 3—स्वायत्त शासन विभाग का क्रोड़-पत्र, नगर प्रशासन, नोटीफाइल एरिया, टाउन एरिया एवं निर्वाचन (स्थानीय निकाय) तथा पंचायतीराज आदि के निदेश जिन्हें विभिन्न आयुक्तों अथवा जिलाधिकारियों ने जारी किया	—	975
भाग 4—निदेशक, शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड	—	975
भाग 5—एकाउन्टेन्ट जनरल, उत्तराखण्ड	—	975
भाग 6—बिल, जो भारतीय संसद में प्रस्तुत किए गए या प्रस्तुत किए जाने से पहले प्रकाशित किए गए तथा सिलेक्ट कमेटियों की रिपोर्ट	—	975
भाग 7—इलेक्शन कमीशन ऑफ इण्डिया की अनुविहित तथा अन्य निर्वाचन सम्बन्धी विज्ञप्तियाँ	—	975
भाग 8—सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि	03	975
स्टोर्स पर्चेज—स्टोर्स पर्चेज विभाग का क्रोड़-पत्र आदि	—	1425

## भाग 1

विज्ञप्ति—अवकाश, नियुक्ति, स्थान—नियुक्ति, स्थानान्तरण, अधिकार और दूसरे वैयक्तिक नोटिस

**संस्कृत शिक्षा अनुभाग**

**नियुक्ति/विज्ञप्ति**

11 दिसम्बर, 2014 ई०

संख्या 573 /XLII-1/2014-06(06)2011—उत्तराखण्ड लोक सेवा आयोग, हरिद्वार द्वारा आयोजित साक्षात्कार, 2014 के आधार पर कुलसचिव, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार के पद पर नियुक्ति हेतु संस्तुत किये गये अभ्यर्थी श्री गिरीश कुमार अवस्थी पुत्र श्री राधेश्याम अवस्थी, सहायक कुलसचिव, गोविन्द वल्लभ पन्त इंजीनियरिंग कालेज, घुड़दौड़ी, पौड़ी गढ़वाल, पिन-246194 को, उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2001 (यथा संशोधित) द्वारा अंगीकृत उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा 17(1) के अधीन गठित उत्तरांचल राज्य विश्वविद्यालय (केन्द्रीयित) सेवा नियमावली, 2006 के अन्तर्गत कुलसचिव, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के पद पर वेतनमान ₹ 15600-39100 ग्रेड वेतन ₹ 6600 में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से निम्नांकित शर्तों के अधीन अस्थायी/औपबन्धिक आधार पर नियुक्त करते हुये 01 वर्ष के परिवीक्षा काल पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:—

2. नियुक्त अभ्यर्थी को उक्त वेतनमान के अतिरिक्त शासन द्वारा समय—समय पर स्वीकृत महंगाई भत्ता एवं अन्य भत्ते भी देय होंगे।

3. यह नियुक्ति पूर्णतया अस्थायी एवं औपबन्धिक है। यदि अभ्यर्थी के स्वास्थ्य परीक्षण, चरित्र एवं पूर्ववृत्त के सत्यापन तथा शैक्षिक अर्हता सम्बन्धी प्रमाण—पत्रों आदि के सत्यापन पर उसके सम्बन्ध में कोई प्रतिकूल तथ्य प्रकाश में आता है तो नियुक्ति स्वतः ही समाप्त समझी जायेगी तथा इस सम्बन्ध में विधिक रूप से किसी भी मात्रा न्यायालय में अभ्यर्थी का कोई भी दावा मान्य नहीं होगा तथा वे किसी भी मात्रा न्यायालय से अनुतोष प्राप्त करने के अधिकारी नहीं होंगे।

4. उक्त अभ्यर्थी की सेवायें उत्तरांचल (उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973) अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2001 (यथा संशोधित) द्वारा अंगीकृत उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम, 1973 की धारा 17(1) के अधीन गठित उत्तरांचल राज्य विश्वविद्यालय (केन्द्रीयित) सेवा नियमावली, 2006 तथा शासन द्वारा समय—समय पर निर्धारित की जाने वाली सेवा—शर्तों से विनियमित होंगी।

5. नियुक्त अभ्यर्थी कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार के कार्यालय में निम्न प्रमाण—पत्रों के साथ योगदान प्रस्तुत करेंगे:—

1. शैक्षिक योग्यता एवं आयु सम्बन्धी मूल प्रमाण—पत्र एवं उनकी एक—एक छाया प्रति।
2. राज्य चिकित्सा परिषद् द्वारा प्रदत्त स्वस्थता प्रमाण—पत्र की मूल प्रति।
3. अभ्यर्थी द्वारा केन्द्र अथवा राज्य सरकार के अधीन अब तक की गयी सेवा (यदि कोई हो) से सम्बन्धित विभाग/प्रतिष्ठान द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण—पत्र।
4. इस आशय की घोषणा कि यदि अभ्यर्थी के स्वास्थ्य परीक्षण, चरित्र एवं पूर्ववृत्त के सत्यापन एवं शैक्षिक अर्हता प्रमाण—पत्रों आदि के सत्यापन पर उसके सम्बन्ध में कोई प्रतिकूल तथ्य प्रकाश में आता है तो उसकी नियुक्ति को स्वतः ही समाप्त समझा जायेगा।
5. दो ऐसे राजपत्रित अधिकारियों द्वारा प्रदत्त चरित्र प्रमाण—पत्र, जो सेवारत हों तथा अभ्यर्थी के सम्बन्धी/रिश्तेदार न हों।
6. अपनी चल/अचल सम्पत्ति से सम्बन्धित घोषणा—पत्र।
7. विवाहित होने की स्थिति में एक से अधिक जीवित पत्नी न होने का घोषणा—पत्र/शपथ—पत्र।

6. नियुक्त अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण करने हेतु की गयी यात्रा के लिये कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

आज्ञा से,

एस० राजू  
अपर मुख्य सचिव।

## गृह अनुभाग-3

## अधिसूचना

12 दिसम्बर, 2014 ई०

संख्या 2278 / XX-3-2014-05(04)2014—श्री राज्यपाल महोदय, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (केन्द्रीय अधिनियम संख्या 32 वर्ष, 2012) की धारा 28 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और इस विषय पर उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय, नैनीताल के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से त्वरित विचारण उपलब्ध कराने के प्रयोजनों के लिये इस अधिनियम के अधीन अपराधों के विचारण हेतु त्वरित न्यायालय/अपर जिला एवं सत्र न्यायालय, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, त्वरित न्यायालय/अपर जिला सत्र न्यायालय, देहरादून, हरिद्वार एवं ऊधमसिंह नगर को उनके क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत विशेष न्यायालय के रूप में अभिहित करने की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

आज्ञा से,

एम० एच० खान,  
प्रमुख सचिव।

## वन एवं पर्यावरण अनुभाग-1

## कार्यालय-ज्ञाप

## बाध्य प्रतीक्षा

20 नवम्बर, 2014 ई०

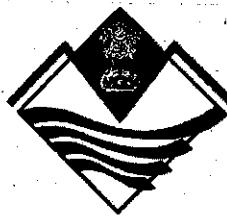
संख्या 1712 / X-1-2014-3(10)/2014—शासनादेश संख्या—1663/X-1-2013-4(31)/2006, दिनांक 12 जून, 2013 द्वारा श्री सन्तोष कुमार गुप्ता, रा०व०स० को कार्यालय, मुख्य वन संरक्षक, गढ़वाल, पौड़ी के पद से स्थानान्तरित कर जलागम प्रबन्ध निदेशालय, देहरादून में प्रतिनियुक्ति के आधार पर तैनाती के आदेश जारी किये जाने के क्रम में श्री गुप्ता दिनांक 19 जून, 2013 को कार्यालय, मुख्य वन संरक्षक, गढ़वाल, पौड़ी के पद से कार्यमुक्त हुए। जलागम प्रबन्ध निदेशालय, देहरादून में योगदान देने हेतु प्रस्तुत होने पर जलागम प्रबन्ध निदेशालय, देहरादून द्वारा श्री सन्तोष कुमार गुप्ता, रा०व०स० को कार्यभार ग्रहण नहीं कराया गया। तदोपरान्त शासनादेश संख्या—1838/X-1-2013-4(31)/2006, दिनांक 06 अगस्त, 2013 द्वारा श्री सन्तोष कुमार गुप्ता, रा०व०स० की तैनाती प्रभागीय वनाधिकारी, अनुश्रवण एवं मूल्यांकन, देहरादून के पद पर की गयी जिसके क्रम में उक्त पद पर श्री गुप्ता द्वारा दिनांक 07 अगस्त, 2013 को कार्यभार ग्रहण कर लिया गया।

2. उक्तानुसार जलागम प्रबन्ध निदेशालय, देहरादून में प्रतिनियुक्ति पर कार्यभार ग्रहण न कराये जाने एवं अन्य पद पर तैनाती के आदेश निर्गत होने में विलम्ब होने के कारण श्री सन्तोष कुमार गुप्ता, रा०व०स०, दिनांक 20 जून, 2013 से 06 अगस्त, 2013 की अवधि के दौरान किसी भी पद विशेष के विरुद्ध तैनात नहीं रहे। उक्त अवधि में किसी पद पर तैनात न होने के लिए श्री सन्तोष कुमार गुप्ता, रा०व०स० का कोई व्यक्तिगत दोष नहीं पाया गया है, अतः श्री सन्तोष कुमार गुप्ता की सेवा के सन्दर्भ में दिनांक 20 जून, 2013 से 06 अगस्त, 2013 की अवधि को बाध्य प्रतीक्षाकाल घोषित किया जाता है।

श्याम सिंह,  
उप सचिव।

पी०एस०य०० (आर०ई०) 03 हिन्दी गजट / 18—भाग 1—2015 (कम्प्यूटर/रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक—अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।



# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

## उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 17 जनवरी, 2015 ई० (पौष 27, 1936 शक सम्वत्)

### भाग 1-क

नियम, कार्य-विधियां, आज्ञाएं, विज्ञप्तियां इत्यादि जिनको उत्तराखण्ड के राज्यपाल महोदय, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष तथा राजस्व परिषद् ने जारी किया

### HIGH COURT OF UTTARAKHAND, NAINITAL

#### NOTIFICATION

December 10, 2014

No. 276 UHC/XIV/37/Admin.A/2012--Sri Sandip Kumar Tiwari, Civil Judge (Jr. Div.), Ramnagar, District Nainital is hereby sanctioned earned leave for 15 days w.e.f. 21-11-2014 to 05-12-2014.

#### NOTIFICATION

December 10, 2014

No. 277 UHC/XIV/38/Admin.A/2008--Ms. Anita Gunjiyal, 2<sup>nd</sup> Additional Civil Judge (Sr. Div.), Dehradun is hereby sanctioned earned leave for 13 days w.e.f. 22-11-2014 to 04-12-2014.

#### NOTIFICATION

December 10, 2014

No. 278 UHC/XIV/27/Admin.A/2013--Sri Aditya Prasad Chauhan, Special Judicial Magistrate (N.I. Act), Udhampur is hereby sanctioned earned leave for 12 days w.e.f. 15-11-2014 to 26-11-2014.

By Order of Hon'ble the Administrative Judge,  
Sd/-  
Registrar (Inspection).

**कार्यालय आयुक्त कर, उत्तराखण्ड**  
**(फार्म-अनुभाग)**  
**विज्ञप्ति**

14 अगस्त, 2014 ई०

पत्रांक 2074/आयु०क०उत्तरा०/फार्म-अनु०/2014-15/केन्द्रीय फार्म-सी/खोया/चोरी/नष्ट हुए/दे०दून-केन्द्रीय बिक्रीकर (उत्तराखण्ड) नियमावली-2006 के नियम-8(13) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके, मैं, आयुक्त कर, उत्तराखण्ड, निम्नलिखित सूची में उल्लिखित "फार्म-सी" जिनके खो जाने/चोरी हो जाने अथवा नष्ट हो जाने के सम्बन्ध सूचना प्राप्त हुई है, को सार्वजनिक प्रकाशनार्थ अनुमति प्रदान करते हुए इन फार्म-स के प्रयोग को अवैध घोषित करता हूँ:-

क्र० सं०	व्यापारी का नाम व पता व टिन नं०	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों की संख्या	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्मों की सीरीज/क्रमांक	फार्म को अवैध घोषित किये जाने का कारण
1.	सर्वश्री पारस प्लाई एण्ड ग्लासेस, काशीपुर, टिन नं०-05011126992	(Form-C)-01	<u>U.K.VAT/C-2007</u> 942245	खोने के कारण
2.	सर्वश्री प्रयाग इण्डस्ट्रीज खसरा नं० 1110, सलेमपुर राजपुताना, इण्डस्ट्रीयल एरिया रुड़की, टिन नं०-05012615845	(Form-C)-01	<u>U.K.VAT/C-2009</u> 0381456	खोने के कारण
3.	सर्वश्री ब्रिज मोहन सेठी एण्ड सन्स, 199 आदर्श ग्राम, ऋषिकेश, टिन नं०-05011134461	(Form-C)-02	<u>U.K.VAT/C-2007</u> 1394884 to 1394885	खोने के कारण
4.	सर्वश्री खोसला एजेन्सीज, जैन मार्केट, रेलवे रोड, ऋषिकेश, टिन नं०-05003540040	(Form-C)-01	<u>U.K.VAT/C-2007</u> 523000	खोने के कारण
5.	सर्वश्री एस०एम० कैमिकल्स, पुष्कर मन्दिर रोड, ऋषिकेश, टिन नं०-05005641933	(Form-C)-01	<u>U.K.VAT/C-2007</u> 139670	खोने के कारण

दिलीप जावलकर,  
आयुक्त कर, उत्तराखण्ड !

**NOTIFICATION**

August 14, 2014

**No. 2074/Com.Tax/Form/Lost/Stolen/Destroyed/2014-15/D.Dun--**Whereas, information have been received regarding Lost/Stolen/Destroyed "Form-C" enlisted below:-

I, Commissioner Tax, Uttarakhand in exercise of the powers conferred by Rule 8(13) of Central Sales Tax (Uttarakhand) Rules 2006, hereby declare that "Form-C" bearing serial no. as listed below, should be considered as invalid for all purposes.

Sl. No.	Name, Address and Tin No. of Dealers	No. of Lost/Stolen/Destroyed Forms	Sl.No. of Lost/Stolen or Destroyed Forms	Reasons for declaring the forms obsolete or invalid
1.	M/s Paras Ply and Glasses Kashipur, Tin No.-05011126992	(Form-C)-01	<u>U.K.VAT/C-2007</u> 942245	Lost
2.	M/s Pryag Industries Kh. No. 1110, Salempur Rajputana Industrial Area Roorkee, Tin No.-05012615845	(Form-C)-01	<u>U.K.VAT/C-2009</u> 0381456	Lost
3.	M/s Brij Mohan Sethi and Sons, 199 Adarsh Gram Rishikesh, Tin No.-05011134461	(Form-C)-02	<u>U.K.VAT/C-2007</u> 1394884 to 1394885	Lost
4.	M/s Khosla Agencies, Jain Market Railway Road, Rishikesh, Tin No.-05003540040	(Form-C)-01	<u>U.K.VAT/C-2007</u> 523000	Lost
5.	M/s S.M. Chemicals, Pushkar Mandir Road, Rishikesh, Tin No.-05005641933	(Form-C)-01	<u>U.K.VAT/C-2007</u> 139670	Lost

**DILIP JAWALKAR,**  
Commissioner Tax, Uttarakhand.

(फार्म-अनुभाग)

विज्ञप्ति

10 नवम्बर, 2014 ई०

पत्रांक 3539 / आयु०कर, उत्तरा० / फार्म-अनु० / 2014-15 / आ०घो०प० / खोया / चोरी / नष्ट हुए / दे०दून-उत्तराखण्ड मूल्यवर्धित कर नियमावली-2005 के नियम-30(12) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके, मैं, एडीशनल कमिश्नर, वाणिज्य कर, उत्तराखण्ड, निम्नलिखित सूची में उल्लिखित प्रान्तीय प्रपत्र फार्म-16 / फार्म-11 जिनके खो जाने / चोरी हो जाने / मिसिंग हो जाने अथवा नष्ट हो जाने के सम्बन्ध में नियम-30 के उपनियम (9) के अन्तर्गत सूचनाएँ प्राप्त हुई हैं, को तत्कालिक प्रभाव से अवैध घोषित करता हूँ:-

क्रमांक संख्या	व्यापारी का नाम व पता	खोये / चोरी / नष्ट हुए फार्मों / स्टैम्प की संख्या	खोये / चोरी / नष्ट हुए फार्मों / स्टैम्प की सीरीज व क्रमांक	फार्म को अवैध घोषित किये जाने का कारण
1.	सर्वश्री खंड्री एरोमैंस पंतनगर, टिन-05007466309	प्ररूप-XVI (01)	<u>U.K.VAT-M2012</u> 3938761	खोने के कारण
2.	सर्वश्री सन राइज पैकेजिंग इण्डो, किंच्छा, टिन-05006356629	प्ररूप-11 (01)	<u>U.K.VAT/C2009</u> 239788	खोने के कारण
3.	सर्वश्री धनवर्षा स्टील्स लिं जशोधरपुर, कोटद्वार। टिन-05002894602	प्ररूप-XVI (07)	<u>U.K.VAT-M2012</u> 0629123, 0629179 to 0629184	खोने के कारण

पीयूष कुमार,  
एडीशनल कमिश्नर वाणिज्य कर,  
मुख्यालय, देहरादून।

(विधि—अनुभाग)

कार्यालय आदेश

17 नवम्बर, 2014 ई०

पत्रांक 3673/आयु०कर.उत्तरा०/वाणि०क०/विधि—अनुभाग/पत्रा०/14—15/देहरादून—उत्तराखण्ड मूल्यवर्धित कर नियमावली—2005 के नियम 4 के उपनियम 4 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उत्तराखण्ड मूल्यवर्धित कर अधिनियम की धारा 42 की उपधारा (5) के अन्तर्गत अभिग्रहित लेखे, रजिस्टर या अन्य दस्तावेज के सम्बन्ध में धारा 42 की उपधारा (6) के अन्तर्गत ऐसे लेखे, रजिस्टर या अन्य दस्तावेज को उनसे सम्बन्धित कर निर्धारण वर्षों के सम्बन्ध में इस अधिनियम के अधीन समस्त कार्यवाहियाँ पूरी होने की तारीख से तीस दिन से अधिक अवधि के लिये रोके जाने सम्बन्धी अधिकार दिये जाने विषय पूर्वानुमोदन किये जाने हेतु तत्काल प्रभाव से एतद्वारा अग्रिम आदेशों तक ज्वाइट कमिशनर (वि०अनु०शा०/प्रवर्तन) वाणिज्य कर को प्राधिकृत किया जाता है।

दिलीप जावलकर,  
आयुक्त कर, उत्तराखण्ड।

(विधि—अनुभाग)

समस्त डिप्टी कमिशनर वाणिज्य कर,  
समस्त असिस्टेंट कमिशनर, वाणिज्य कर,  
समस्त वाणिज्य कर अधिकारी, उत्तराखण्ड।

26 नवम्बर, 2014 ई०

पत्रांक 3835/आयु०क०उत्तरा०/विधि—अनुभाग/पत्रा०—०५/14—15/देहरादून—उत्तराखण्ड शासन वित्त अनुभाग—८ द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 975/2014/146(120)/XXVII (8)/07, दिनांक 25 नवम्बर, 2014 का संदर्भ ग्रहण करें, जिसके द्वारा उत्तराखण्ड मूल्यवर्धित कर अधिनियम, 2005 (अधिनियम संख्या 27 वर्ष, 2005) की धारा 4 की उपधारा (6) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके, डीजल ऑयल, जैसा कि संयुक्त प्रान्त मोटर स्पिरिट, डीजल ऑयल और अल्कोहल विक्रय कराधान अधिनियम 1939 (उत्तराखण्ड राज्य में यथा प्रवृत्त) के अधीन परिभाषित है, के विक्रेता द्वारा डीजल ऑयल की बिक्री पर देय कर में छूट सम्बन्धी पूर्व में जारी विज्ञप्ति संख्या 716/2011/146 (120)/XXVII (8)/07, दिनांक 27—07—2011 तथा विज्ञप्ति संख्या 872/2012/146 (120)/XXVII (8)/07, दिनांक 27—09—2012 को तत्कालिक प्रभाव से, विखण्डित करने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया है।

उपरोक्त अधिसूचना की प्रति आपको इस आश्य से प्रेषित है कि शासन द्वारा दिये गये दिशा—निर्देशानुसार आवश्यक कार्यवाही करना/करवाना सुनिश्चित करें।

वित्त अनुभाग—८

अधिसूचना

25 नवम्बर, 2014 ई०

पत्रांक 975/2014/146(120)/XXVII(8)/07—चूंकि, राज्य सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा करना समीचीन है; अतएव, अब, श्री राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (अधिनियम सं० १, वर्ष 1904) (उत्तराखण्ड राज्य में यथा प्रवृत्त) की धारा 21 सपठित उत्तराखण्ड मूल्यवर्धित कर अधिनियम, 2005 (अधिनियम संख्या 27, वर्ष 2005) की धारा 4 की उपधारा (6) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके, डीजल ऑयल, जैसा कि संयुक्त प्रान्त मोटर स्पिरिट, डीजल ऑयल और अल्कोहल विक्रय कराधान अधिनियम, 1939 (उत्तराखण्ड राज्य में यथा प्रवृत्त) के अधीन परिभाषित है, के विक्रेता द्वारा डीजल ऑयल की बिक्री पर देय कर

में छूट सम्बन्धी पूर्व में जारी विज्ञप्ति संख्या 716/2011/146 (120)/XXVII (8)/07 दिनांक 27-07-2011 तथा विज्ञप्ति संख्या 872/2012/146 (120)/XXVII (8)/07 दिनांक 27-09-2012 को तत्कालिक प्रभाव से, विखण्डित करने का सहर्ष आदेश प्रदान करते हैं।

आज्ञा से,

भास्करानन्द,  
सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of notification No. 975/2014/146(120)/XXVII(8)/07, dated November 25, 2014 for general information.

NOTIFICATION

November 25, 2014

**No. 975/2014/146(120)/XXVII(8)/07**--WHEREAS, the State Government is satisfied that it is expedient so to do in public interest;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 4 of the Uttarakhand Value Added Tax Act, 2005 (Act no. 27 of 2005) read with section 21 of the Uttar Pradesh General Clauses Act, 1904 (Act No. 1 of 1904) (as applicable to the State of Uttarakhand), the Governor is pleased to rescind, with immediate effect, the previous notification no. 716/2014/146(120)/XXVII(8)/07 dated 27-07-2011 and notification no. 872/2012/146(120)/XXVII(8)/07 dated 27-07-2012 regarding rebate in the tax payable by the seller on sale of Diesel Oil, as defined under the United Provinces Sale of Motor Spirit, Diesel Oil and Alcohol Taxation Act, 1939 (as applicable to the State of Uttarakhand).

By Order,

**BHASKARANAND,**  
Secretary.

पीयूष कुमार,  
एडीशनल कमिशनर वाणिज्य कर,  
मुख्यालय, देहरादून।

(फार्म-अनुभाग)

विज्ञप्ति

09 दिसम्बर, 2014 ई०

पत्रांक 4068 / आयु०कर, उत्तरा० / फार्म-अनु० / 2014-15 / आ०घो०प० / खोया / चोरी / नष्ट हुए / दे०दून-उत्तराखण्ड मूल्यवर्धित कर नियमावली-2005 के नियम-30(12) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करके, मैं, एडीशनल कमिशनर, वाणिज्य कर, उत्तराखण्ड, निम्नलिखित सूची में उल्लिखित प्रान्तीय प्रपत्र फार्म-16 / फार्म-11 जिनके खो जाने / चोरी हो जाने / भिसिंग हो जाने अथवा नष्ट हो जाने के सम्बन्ध में नियम-30 के उपनियम (9) के अन्तर्गत सूचनाएँ प्राप्त हुई हैं, को तत्कालिक प्रभाव से अवैध घोषित करता हूँ:-

क्र0 सं0	व्यापारी का नाम व पता	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्म/स्टैम्प की संख्या	खोये/चोरी/नष्ट हुए फार्म/स्टैम्प की सीरीज व क्रमांक	फार्म/स्टैम्प को अवैध घोषित किये जाने का कारण
1.	सर्वश्री सेल्यूल केयर प्राइलो किशनपुर रुड़की, टिन-05005878516	प्ररूप-XVI (01)	<u>U.K.VAT-M2012</u> 2861161	खोने के कारण
2.	सर्वश्री स्क्वायर विजन इण्डो प्राइलो, प्लाट नं0 29, सेक्टर-4 सिडकुल, हरिद्वार, टिन-05005748924	प्ररूप-XVI (02)	<u>U.K.VAT-M2012</u> 1318634, 1318636	खोने के कारण
3.	सर्वश्री फरमान इलेक्ट्रिकल्स शॉप नं0 614, पाड़ली गुज्जर सामने रेलवे फाटक, रुड़की, टिन-05012681223	प्ररूप-XVI (01)	<u>U.K.VAT-M2012</u> 4466498	खोने के कारण
4.	सर्वश्री सेंचुरी पत्प एण्ड पेपर, लालकुआँ, टिन-05001266166	प्ररूप-XVI (02)	<u>U.K.VAT-M2012</u> 3789193, 3789194	खोने के कारण
5.	सर्वश्री डायनामिक एसोसियेट्स एण्ड सर्विसेस खसरा नं0 1104/3-1105/3 इण्डो एरिया सलेमपुर राजपूतान, रुड़की, टिन-05005578689	प्ररूप-XVI (01)	<u>U.K.VAT-M2012</u> 0758996	खोने के कारण
6.	सर्वश्री विश्वकर्मा पेपर एण्ड बोर्ड लिलो, काशीपुर, टिन-0500262383	प्ररूप-11 (03)	<u>UK VAT-C2009</u> 222671, 222688, 257110	खोने के कारण
7.	सर्वश्री अरुण ट्रेडर्स, आदर्श ग्राम, समीप यात्रा बस स्टेप्ल, ऋषिकेश, टिन-05009566747	प्ररूप-XVI (01)	<u>U.K.VAT-M2012</u> 2226676	खोने के कारण

पीयूष कुमार,  
एडीशनल कमिशनर वाणिज्य कर,  
मुख्यालय, देहरादून।

(विधि-अनुभाग)

समस्त डिप्टी कमिशनर वाणिज्य कर,  
समस्त असिस्टेंट कमिशनर, वाणिज्य कर,  
समस्त वाणिज्य कर अधिकारी, उत्तराखण्ड।

12 दिसम्बर, 2014 ई0

पत्रांक 4149/आयु0कर उत्तराऽ/वाणी0क0/विधि-अनुभाग/पत्राऽ-05/14-15/देहरादून-उत्तराखण्ड शासन वित्त अनुभाग-8 द्वारा जारी अधिसूचना संख्या 924/2014/15(120)/xxvii (8)/2014/दिनांक 12 दिसम्बर, 2014 का सन्दर्भ ग्रहण करें, जिसके द्वारा उत्तराखण्ड मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005 की अनुसूची ॥(ख) में संशोधन करते हुये अवगत अवगत कराया गया है।

उपरोक्त अधिसूचना की प्रति आपको इस आश्य से प्रेषित है कि शासन द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार आवश्यक कार्यवाही करना/करवाना सुनिश्चित करें।

## वित्त अनुभाग-8

## अधिसूचना

12 दिसम्बर, 2014 ई०

संख्या 924 / 2014/15(120)/XXVII(8)/2014—चूंकि, राज्य सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा करना समीचीन है;

अतएव, अब, श्री राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005 (अधिनियम संख्या 27, वर्ष 2005) की धारा 4 की उपधारा (4) संपर्कित उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (अधिनियम संख्या 1, वर्ष 1904) (उत्तराखण्ड राज्य में यथा प्रवृत्त) की धारा 21 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करके इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से उत्तराखण्ड मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005 की अनुसूची-॥(ख) में निम्नलिखित संशोधन करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:—

## संशोधन

अनुसूची-॥(ख) के क्रमांक 94 पर विद्यमान प्रविष्टि हटा दी जायेगी।

आज्ञा से,

भास्करानन्द,

सचिव।

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the notification No. 924/2014/15(120)/XXVII(8)/2014, dated December 12, 2014 for general information.

## NOTIFICATION

December 12, 2014

No. 924/2014/15(120)/XXVII(8)/2014—WHEREAS, the State Government is satisfied that it is expedient so to do in public interest;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 4 of the Uttarakhand Value Added Tax Act, 2005 (Act no. 27 of 2005) read with section 21 of the Uttar Pradesh General Clauses Act, 1904 (U.P. Act No. 1 of 1904) (as applicable to the State of Uttarakhand), the Governor is pleased to allow, with effect, from the date of publication of this notification in Gazette, the following amendment in Schedule-II(b) of the Uttarakhand Value Added Tax Act, 2005:—

## AMENDMENT

In Schedule-II(b), the existing entry at serial no. 94, shall be deleted.

By Order,

BHASKARANAND,

Secretary.

पीयूष कुमार,  
एडीशनल कमिश्नर वाणिज्य कर,  
मुख्यालय, देहरादून।

## (फार्म-अनुभाग)

## विज्ञप्ति

15 दिसम्बर, 2014 ई०

पत्रांक 4158/आयु0कर, उत्तरां0/फार्म-अनु0/2014-15/वाणिज्य कर/दे०दून- उत्तराखण्ड मूल्यवर्धित कर अधिनियम-2005 के नियम-30 के उपनियम-13 के अन्तर्गत विज्ञापित किया जाता है कि नियम-26 के उपनियम-3 में निर्धारित “आयात के लिए घोषणा-पत्र” (प्ररूप-16) सीरीज U.K.VAT-M2012 क्रमांक 6500001 से 8000000 तक इस कार्यालय की विज्ञप्ति निर्गत होने की तिथि से तत्काल प्रभाव से प्रचलन में आ जायेंगे और तब तक प्रचलन में रहेंगे जब तक वे इस कार्यालय की किसी विज्ञप्ति के द्वारा अवैध अथवा अप्रचलित घोषित न कर दिये जायें। उक्त सीरीज एवं क्रमांक के प्ररूप-16, विभागीय वैबसाइट पर इसकी उपरोक्त वैधता एवं प्रचलन की अवधि में ऑनलाइन स्वीकार किये जाते रहेंगे।

पूर्व विज्ञप्तियों द्वारा प्रचलित उक्त सीरीज U.K.VAT-M2012 क्रमांक प्रारम्भ से 65 लाख तक के प्ररूप-16, भी प्रचलन में बने रहेंगे, जब तक कि इनको इस कार्यालय की किसी विज्ञप्ति के द्वारा अवैध अथवा अप्रचलित घोषित न कर दिये जायें।

U.K. VAT-M 2012 सीरीज क्रमांक 6500001 से 8000000 तक के फार्म-16, 80 GSM के मैपलिथो पेपर पर मुद्रित है। इनकी बैक ग्राउण्ड प्रिंटिंग हल्के Green and Orange तथा प्रत्येक प्रति के ऊपर एवं नीचे हल्के हरे रंग में गोलाकार बने हुए हैं। मूल प्रति 15 से०मी० द्वितीय प्रति 15 से०मी० एवं प्रतिपर्ण प्रति 12 से०मी० कुल तीन प्रतियों में 42 से०मी० X 29.07 से०मी० के साईज में छापा गया है। प्रत्येक प्रति के ऊपरी हिस्से पर नारंगी कलर में उत्तराखण्ड शासन का लोगो बना है। फार्म की मूल प्रति के ऊपर दाहिनी तरफ दो बॉक्स बनाये गये हैं तथा इनमें शासन का लोगो बना है। फार्म की मूल प्रति के नीचे दाहिने तरफ क्रमशः 0 से 9 एवं 0 से 9 तक ऐसे बॉक्स बनाये गये हैं जिनमें करने के लिए मूल प्रति के नीचे दाहिने तरफ क्रमशः 0 से 9 एवं 0 से 9 तक ऐसे बॉक्स बनाये गये हैं जिनमें करने के लिए मूल प्रति के नीचे दाहिने तरफ एक-एक स्टार बनाये गये हैं। क्रमशः 0 से 9 तथा 0 से 9 तक के क्रमांक अंकित हैं तथा इनके दाहिनी तरफ एक-एक स्टार बनाये गये हैं। फार्म की बैक ग्राउण्ड में वाणिज्य कर विभाग, उत्तराखण्ड मुद्रित है। प्रत्येक प्रति के मध्य में बैक ग्राउण्ड में उत्तराखण्ड शासन का लोगो सर्किल में मुद्रित है।

प्ररूप-16 के प्रिंटिंग में निम्नलिखित सिक्योरिटी फीचर्स डाले गये हैं:-

- फार्मों की प्रत्येक प्रति के ऊपर की तरफ मध्य में उत्तराखण्ड शासन का लोगो मुद्रित (Print) है जो सामान्य प्रकाश में नारंगी रंग का दिखाई देता है एवं अल्ट्रावायलेट किरणों (U V Rays) में प्रकाशमान होता है।
- फार्मों के ऊपरी भाग के मध्य में मुद्रित उत्तराखण्ड शासन के लोगो के नीचे नम्बर बॉक्स के ऊपरी हिस्से को काटते हुए एक अदृश्य लाइन (Invisible hide band) मुद्रित है जो एण्टी फोटोकापियर है, यह लाइन अल्ट्रावायलेट किरणों (U V Rays) के प्रकाश में दिखाई देती है।
- फार्मों के नम्बरिंग बॉक्स (Numbring Box) के समीप बायीं तरफ प्रत्येक प्रति में उत्तराखण्ड शासन का अदृश्य (Invisible) लोगो बना है जो केवल अल्ट्रावायलेट किरणों (U V Rays) में ही दिखाई देता है।
- फार्मों में U V Fiber डाले गये हैं जो सामान्य प्रकाश में हल्के नारंगी रंग के दिखाई देते हैं तथा ये U V Fiber अल्ट्रावायलेट किरणों (U V Rays) में प्रकाशमान होते हैं।
- फार्मों की बैकग्राउण्ड (Background) में (कम्प्यूटर द्वारा मुद्रित कठिन डिजाइन) Guilloche Pattern प्रिन्ट किया गया है।
- फार्मों की प्रत्येक प्रति में नीचे की ओर बायीं तरफ स्थान तथा दिनांक के सम्मुख अंकित लाइन में Micro Printing की गई है, Magnifying glass का प्रयोग करने से इसमें अंकित अक्षर UKCT पठनीय है।
- फार्मों की मूल प्रति में नीचे की तरफ बायीं ओर Thermo Chromic Ink का प्रयोग करते हुए ग्रे कलर (Grey colour) का गोला बनाया गया है जिसमें Thumb impression देने पर (गरमी पड़ने पर) इसका रंग तुलनात्मक रूप से हल्का पड़ जाता है। पुनः Impression हटा देने पर पूर्ववत् ग्रे कलर (Grey colour) का दिखाई देगा।

दिलीप जावलकर,  
आयुक्त कर, उत्तराखण्ड।

## अधिकतम जोत सीमा आकार पत्र-6

(नियम-14 देखिये)

## अधिसूचना

14 नवम्बर, 2014 ई०

संख्या / 2014-2015-सीलिंग वाद संख्या 51/55 (1974-75)

उत्तर प्रदेश वर्तमान उत्तराखण्ड अधिकतम जोत सीमा आरोपण अधिनियम, 1960 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या-1, 1961) की धारा 14 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में, मैं, श्रीमती दीप्ति वैश्य नियत प्राधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) ऊधमसिंह नगर एतद्वारा अधिसूचित करती हूँ कि उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 2, 1975 और उत्तर प्रदेश अधिनियम 20, 1976 के साथ पठित उप्र० अधिनियम संख्या 1, 1961 के उपबन्धों के अधीन आदेश दिनांक 03-08-2010 के अनुपालन में निम्नलिखित भूमि अतिरिक्त घोषित की जाती हैः—

1. नियत प्राधिकारी के हस्ताक्षरः
2. तहसील/परगना: किंच्छा/रुद्रपुर।
3. जिला— ऊधमसिंह नगर।

## अनुसूचि

क्र०सं०	नाम खातेदार	नाम ग्राम	पुराना खसरा नं०	हाल खसरा नं०	रक्का
1.	प्रभावती देबी पुत्री राम स्व० अवध सिंह, निवासी बागवाला, तहसील किंच्छा वर्तमान रुद्रपुर	बागवाला, तहसील किंच्छा वर्तमान रुद्रपुर	16 मि० 16 मि० 16 मि० 39 मि० 39 मि० 39 मि० 39 मि० 37 मि० 35 मि० 34 मि० 35 मि० 35 मि० 35 मि० 35 मि० 35 मि० 35 मि०	252 256 258 266 267 268 274 276 276 276 278 278 279 280 281 283	0.030 है० 0.049 है० 0.232 है० 0.054 है० 0.090 है० 3.922 है० 0.033 है० 0.030 है० 0.025 है० 0.037 है० 0.056 है० 2.103 है० 0.046 है० 0.022 है० 0.002 है० 0.016 है०
	कुल योगः—				6.747 है०

दिनांक 14-11-2014

दीप्ति वैश्य,  
नियत प्राधिकारी/अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०),  
ऊधमसिंह नगर।

**कार्यालय उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल**  
**विज्ञप्ति**

05 नवम्बर, 2014 ई०

पत्रांक 1169 / चार-23(2014)/TCU-उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल द्वारा भारतीय प्रशासनिक सेवा (उत्तराखण्ड संवर्ग बैच-2013) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों हेतु दिनांक 04 अगस्त, 2014 से 25 अक्टूबर, 2014 की अवधि में व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आयोजित की गयी विभागीय परीक्षा भाग-1 व भाग-2 में योगदान देने वाले निम्नलिखित परिवीक्षाधीन अधिकारियों को उनके नाम के सम्मुख उल्लिखित विषयों में उत्तीर्ण घोषित किया जाता है:-

क्र०सं०	नाम परिवीक्षाधीन अधिकारी	विषय									
		A	B	C	D	E	F	G	H	I	J
1.	श्री मयूर दीक्षित, आई०ए०एस०	A	B	C	D	E	F	G	H	I	J
2.	सुश्री वन्दना, आई०ए०एस०	A	B	C	D	E	F	G	H	I	J
3.	श्री विनीत कुमार, आई०ए०एस०	A	B	C	D	E	F	G	H	I	J

**विषय संकेतः**

A- आपराधिक वाद निर्णय लेखन	F- लोक प्रशासन
B- राजस्व वाद निर्णय लेखन	G- बजट एवं वित्तीय प्रक्रिया
C- राजस्व नियम एवं अधिनियम तथा भू-सर्वेक्षण	H- स्थानीय निकाय एवं विविध अधिनियम
D- हिन्दी टिप्पणी एवं पत्र लेखन	I- नियोजन एवं विकास
E- जिला प्रशासन	J- कृषि एवं ग्राम्य विकास

ए० एस० नयाल,  
निदेशक।

**कार्यालय जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी, देहरादून**

प्रपत्र-1

(नियम-10)

जिला योजना समिति के सदस्य के लिये निर्वाचन की सार्वजनिक सूचना (नोटिस)

21 अक्टूबर, 2014 ई०

संख्या 1051 / जियो०स०-2014-चूंकि, जिला योजना समिति, देहरादून में जिला पंचायत और नगरीय निकायों (नगर निगम/नगर पालिका परिषद्/नगर पंचायत) के निर्वाचित सदस्यों में से जिला योजना समिति के लिये प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रवार निर्धारित कुल संख्या 30 में सदस्य/सदस्यों को निर्वाचित किया जाना है:-

- (क) जिला पंचायत के निर्वाचित सदस्यों द्वारा अपने में से जिला पंचायत निर्वाचन क्षेत्र जिला पंचायत, देहरादून से जिला योजना समिति के लिये निर्वाचित होने वाले सदस्यों की संख्या-16।
- (ख) नगरीय निकायों के निर्वाचित सदस्यों द्वारा अपने में से विभिन्न नगरीय निकायों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों से जिला योजना समिति के लिये निर्वाचित होने वाले सदस्यों की संख्या-14 प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रवार निम्नलिखित है:-

प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र का नाम	सम्मिलित नगर निकाय का नाम	निर्वाचित होने वाले सदस्यों की संख्या
1. जिला पंचायत, देहरादून	जिला पंचायत देहरादून का सम्पूर्ण क्षेत्र	16
2. नगर निगम, देहरादून	नगर निगम, देहरादून	11
3. नगर पालिका परिषद, मसूरी	नगर पालिका परिषद, मसूरी	1
4. नगर पालिका परिषद, ऋषिकेश	नगर पालिका परिषद, विकासनगर नगर पंचायत, हरबर्टपुर नगर पालिका परिषद, ऋषिकेश नगर पंचायत, डोईवाला	2

अतः, मैं, चन्द्रेश कुमार, निर्वाचन अधिकारी उक्त निर्वाचन के लिये एतद्वारा निम्नलिखित सार्वजनिक सूचना देता हूँ—

#### सार्वजनिक सूचना (नोटिस)

- (1) नाम—निर्देशन—पत्र अधोहस्ताक्षरी को जिलाधिकारी सभाकक्ष एवं जिलाधिकारी न्यायालय कक्ष पर दिनांक 27 अक्टूबर, 2014 से दिनांक 28 अक्टूबर, 2014 को प्रतिदिन पूर्वान्ह 11:00 बजे से अपरान्ह 4:00 बजे तक दिये जा सकते हैं।
- (2) नाम—निर्देशन—पत्रों की जांच का काम जिलाधिकारी सभाकक्ष एवं जिलाधिकारी न्यायालय कक्ष पर दिनांक 29 अक्टूबर, 2014 को पूर्वान्ह 10:00 बजे से प्रारम्भ होगा।
- (3) यदि कोई उम्मीदवार अपनी उम्मीदवारी वापस लेना चाहता है तो वह दिनांक 30 अक्टूबर, 2014 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से अपरान्ह 03:00 बजे तक स्वयं उपस्थित होकर वापस ले सकता है।
- (4) यदि निर्वाचन में मतदान आवश्यक हो तो मतदान जिलाधिकारी सभाकक्ष एवं जिलाधिकारी न्यायालय कक्ष पर दिनांक 31 अक्टूबर, 2014 को पूर्वान्ह 08:00 बजे से अपरान्ह 03:00 बजे के बीच होगा।
- (5) मतगणना जिलाधिकारी सभाकक्ष एवं जिलाधिकारी न्यायालय कक्ष पर दिनांक 31 अक्टूबर, 2014 को मतदान समाप्ति के बाद अपरान्ह 03:30 बजे से प्रारम्भ की जायेगी।

दिनांक 21-10-2014

पता जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी देहरादून।

नाम—निर्देशन—पत्र के प्रपत्र-2, दिनांक 27 अक्टूबर, 2014 से दिनांक 28 अक्टूबर, 2014 तक प्रतिदिन पूर्वान्ह 11:00 बजे से अपरान्ह 4:00 बजे तक निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय (जिलाधिकारी सभाकक्ष एवं जिलाधिकारी न्यायालय कक्ष) से प्राप्त किये जा सकते हैं।

चन्द्रेश कुमार (आई०ए०एस०),  
जिला निर्वाचन अधिकारी (जिय०य०स०),  
देहरादून।

कार्यालय सम्भागीय परिवहन अधिकारी देहरादून सम्भाग, देहरादून  
आदेश

30 जून, 2014 ई०

संख्या 8718/प्रशासन/लाइसेंस/2014—श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री मदन लाल, निवासी—बंशीवाला, देहरादून द्वारा कार्यालय में प्रार्थना—पत्र दिया गया है कि वह वर्तमान में वाहन का संचालन करने में शारीरिक रूप से सक्षम नहीं है। उक्त आधार पर उनके द्वारा इस कार्यालय द्वारा जारी स्थायी चालन अनुज्ञाप्ति संख्या—एस 15924 जो कि परिवहन यान, पीएसवी बस (पर्वतीय मार्गों के पृष्ठांकन सहित) जारी है तथा दिनांक 06-06-2013 तक वैध है, के निरस्तीकरण हेतु अनुरोध किया गया है।

अतः लाइसेंसधारक के अनुरोध पर लाइसेंसिंग अधिकारी के रूप में, मैं, सन्दीप सैनी, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन), देहरादून मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा-16 के अन्तर्गत लाइसेंस संख्या-एस15924 को तत्काल प्रभाव से निरस्त करता हूँ।

सन्दीप सैनी,

सहायक सम्भागीय, परिवहन अधिकारी  
(प्रशासन), देहरादून।

### कार्यालय सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, रुद्रप्रयाग

#### आदेश

संख्या 835/पंजीयन निरस्त/2013-वाहन संख्या UK13-3174 ALTO K-10(LMV CAR) के वाहन स्वामी श्री संजय गोस्वामी पुत्र श्री चैतराम गोस्वामी, निवासी ग्राम व पो० गौरीकुण्ड, तहसील ऊखीमठ, जिला रुद्रप्रयाग द्वारा अवगत कराया है कि उनका वाहन जनपद रुद्रप्रयाग में दिनांक 16, 17 जून, 2013 को आयी भीषण आपदा में स्थान मुंडकटिया (सोनप्रयाग) में बह गया था। इस क्रम में वाहन स्वामी द्वारा कार्यालय चौकी गौरीकुण्ड, थाना ऊखीमठ, जनपद रुद्रप्रयाग की रिपोर्ट दिनांक 18-12-2014 इस कार्यालय में प्रस्तुत की गई है जिसमें वाहन के बह जाने की बात को सत्य बताया गया है तथा वाहन के न मिलने की सम्भावना को देखते हुए जांच समाप्त कर दी गई है। इस के साथ ही वाहन स्वामी द्वारा डीसीआरबी, पुलिस कार्यालय जनपद रुद्रप्रयाग द्वारा लापता वाहन के सम्बन्ध में पुलिस रिपोर्ट इस कार्यालय को प्रस्तुत की गई है। वाहन स्वामी द्वारा इस आशय का शपथ-पत्र दिनांक 01-11-2014 को प्रस्तुत किया है तथा वाहन का पंजीयन निरस्त करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः, केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा-55 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के रूप में, मैं, सुधांशु गर्ग सम्भागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी वाहन संख्या UK13-3174 ALTO K-10(LMV CAR) चेसिस संख्या MA3EADE1S00278376 इंजन संख्या K10BN7095398 पंजीयन को तत्काल प्रभाव से निरस्त करता हूँ।

#### आदेश

11 नवम्बर, 2014 ई०

संख्या 836/पंजीयन निरस्त/2013-वाहन संख्या UK13-4037 Santro(LMV CAR) के वाहन स्वामी श्री अनुप गोस्वामी पुत्र श्री मदन मोहन गोस्वामी, निवासी ग्राम व पो० गौरीकुण्ड, जिला रुद्रप्रयाग द्वारा अवगत कराया है कि उनका वाहन जनपद रुद्रप्रयाग में दिनांक 16, 17 जून, 2013 को आयी भीषण आपदा में स्थान सोनप्रयाग में बह गया था। इस क्रम में वाहन स्वामी द्वारा कार्यालय चौकी गौरीकुण्ड, थाना ऊखीमठ, जनपद रुद्रप्रयाग की रिपोर्ट कार्यालय में प्रस्तुत की गई है जिसमें वाहन के बह जाने की बात को सत्य बताया गया है तथा वाहन के न मिलने की सम्भावना को देखते हुए जांच समाप्त कर दी गई है। इस के साथ ही वाहन स्वामी द्वारा डीसीआरबी, पुलिस कार्यालय जनपद रुद्रप्रयाग द्वारा लापता वाहन के सम्बन्ध में पुलिस रिपोर्ट इस कार्यालय को प्रस्तुत की गई है। वाहन स्वामी द्वारा इस आशय का शपथ-पत्र दिनांक 01-11-2014 को प्रस्तुत किया है तथा वाहन का पंजीयन निरस्त करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः, केन्द्रीय मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा-55 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के रूप में, मैं, सुधांशु गर्ग, सम्भागीय परिवहन अधिकारी, पौड़ी वाहन संख्या UK13-4037 Santro(LMV CAR) चेसिस संख्या MALAA51HLCM778715 इंजन संख्या G4HGC564420, पंजीयन के तत्काल प्रभाव से निरस्त करता हूँ।

सुधांशु गर्ग,  
सम्भागीय परिवहन अधिकारी,  
कार्यालय सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी,  
रुद्रप्रयाग।

## कार्यालय सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, हल्द्वानी सम्भाग, नैनीताल

आदेश

05 दिसम्बर, 2014 ई0

पत्रांक 1892/लाइसेंस/नि0-निरस्ती0/2014-सहायक महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड, परिवहन निगम, टनकपुर ने अपने पत्र संख्या-2029/स0म0प्र0/टनक0/स्था0/अक्षम चालक/2014, दिनांक 31-10-2014 के माध्यम से श्री श्याम सिंह पुत्र श्री जोधा सिंह, निवासी-देवराड़ी, चलथी, जिला पिथौरागढ़ अनुज्ञित संख्या-2495/टीएनके/81 वाहन चलाने हेतु अक्षम घोषित होने के फलस्वरूप निरस्त करने हेतु इस कार्यालय को प्रेषित किया है। जिसके क्रम में श्री श्याम सिंह पुत्र श्री जोधा सिंह, निवासी-देवराड़ी, चलथी, जिला पिथौरागढ़ को इस कार्यालय के पत्र संख्या-1671/लाइसेंस/14, दिनांक 05-11-2014 के माध्यम से अपना पक्ष रखने हेतु पत्र प्रेषित किया गया। इस क्रम में अनुज्ञित धारक श्री श्याम सिंह दिनांक 04-12-2014 इस कार्यालय में उपस्थित हुए और उन्होंने तथ्य को स्वीकारते इस कार्यालय द्वारा जारी स्थायी चालन अनुज्ञित संख्या-2495/टीएनके/81 के निरस्तीकरण हेतु अनुरोध किया गया है।

अतः सहायक महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड, परिवहन निगम, टनकपुर के अनुरोध एवं लाइसेंसधारक की प्रार्थना पर लाईसेंसिंग अधिकारी के रूप में, मैं, संदीप वर्मा, सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन), हल्द्वानी मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा-16 के अन्तर्गत अनुज्ञित संख्या-2495/टीएनके/81 को तत्काल प्रभाव से निरस्त करता हूँ।

संदीप वर्मा,

सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी  
(प्रशासन), हल्द्वानी।

कार्यालय सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी, रुद्रपुर, ऊधमसिंह नगर

कार्यालय आदेश

11 दिसम्बर, 2014 ई0

पत्रांक 1405/टी0आर0/पंजी0नि0/यूए06एफ-2662/2014-वाहन संख्या यूए06एफ-2662 मॉडल 2006 चेसिस संख्या MA3EYD81S00679708 तथा इंजन नं0 F8DN3267327 कार्यालय में श्री गोपाल कृष्ण गाँधी पुत्र श्री गनपत राम गाँधी, निवासी खुर्पिया फार्म, किंच्छा, जिला ऊधमसिंह नगर के नाम पंजीकृत है। वाहन स्वामी ने दिनांक 10-12-2014 को आवेदन-पत्र के साथ वाहन की मूल चेसिस नं0 प्लेट प्रस्तुत करते हुए अवगत कराया है कि उनका वाहन दुर्घटना ग्रस्त होने के कारण मार्ग पर संचालन योग्य न रहने के कारण वाहन को स्क्रेब में विक्रय करना चाहता है साथ ही वाहन का पंजीयन निरस्त करने हेतु अनुरोध किया है। कार्यालय अभिलेखानुसार वाहन का कर एक बारीय जमा है। वाहन फाइनेंस से मुक्त है। प्रवर्तन अनुभाग की आख्या के अनुसार वाहन पर कोई चैक चालान लग्भित नहीं है। उक्त तथ्यों के आधार पर वाहन के पंजीयन चिन्ह के बने रहने का कोई औचित्य नहीं रहता है।

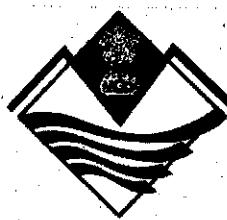
अतः, मैं, नन्द किशोर, पंजीयन अधिकारी, मोटर वाहन विभाग, ऊधमसिंह नगर मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा-55 (2) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये वाहन संख्या यूए06एफ-2662 का पंजीयन चिन्ह एवं चेसिस संख्या MA3EYD81S00679708 तत्काल प्रभाव से निरस्त करता हूँ।

नन्द किशोर,

सहायक सम्भागीय, परिवहन अधिकारी,  
रुद्रपुर, ऊधमसिंह नगर।

पी0एस0यू0 (आर0ई0) 03 हिन्दी गजट/18-भाग 1-क-2015 (कम्प्यूटर/रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक-अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।



# सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

## उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

रुड़की, शनिवार, दिनांक 17 जनवरी, 2015 ई० (पौष 27, 1936 शक सम्वत)

भाग 8

सूचना एवं अन्य वैयक्तिक विज्ञापन आदि

सूचना

मैंने अपना नाम धार्मिक कारणों से अजय कुमार से बदलकर राजगुरु कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये।

समस्त औपचारिकताएँ मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई हैं।

राजगुरु पुत्र ओमपाल,  
निवासी—मौहल्ला कड़च,  
ज्वालापुर, जिला हरिद्वार।

सूचना

“मेरे समस्त प्रमाण—पत्रों में मेरा नाम किरन वर्मा अंकित है लेकिन मेरे पुत्र की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के अंक—पत्र व प्रमाण—पत्रों में मेरा नाम गलत—प्रीति वर्मा अंकित हो गया है। इसलिए, मुझे भविष्य में किरन वर्मा के नाम से ही जाना जाये।”

समस्त औपचारिकताएँ मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई हैं।

किरन वर्मा पत्नी श्री खैराती लाल वर्मा, निवासी पता—वार्ड नं० 4, कुन्जविहार कॉलोनी, गदरपुर, तह० गदरपुर, जिला ऊधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड।

पी०एस०य०० (आर०ई०) 03 हिन्दी गजट/18—भाग 8—2015 (कम्प्यूटर/रीजियो)।

मुद्रक एवम् प्रकाशक—अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, उत्तराखण्ड, रुड़की।